M.A. Semester-III Examination 2016
Hindi
Course - XI
रीतिकाव्य

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए– 2×8=16

(क) दसकंठ रे सठ, छाँड़ि दे हठ, बार बार न बोलियै।
अब आजु राजसमाज में बल साजु चित्त न डोलियै।
गिरराज ते गुरु जानियै सुरराज को धनु हाथ लै।
सुख पाइ ताहि चढ़ाइकै घर जाहि रे जस साथ लै।।

(ख) कहत नटत, रीझत, खिझत मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन मैं करत हैं, नैननु हीं सब बात।।
लखि गुरुजन-बिच कमल सौं सीसु छुवायौ स्याम्।
हरि-सनमुख करि आरसी हियैं लगाई बाम।।

(ग) चित दै चितऊँ जित ओर सखी तित नन्दकिसोर की ओर ठई।
दसहू दिसि दूसरे देखत ना छबि मोहन की छिति माँहि छई।
कवि 'देव' कहाँ लौं कछू कहिए प्रतिमूरति हौं उनही की भई।
ब्रजवासिनि कौ ब्रज जानि परै न भयौ ब्रज ही ब्रजराजमई।।

(घ) वहै मुसक्यानि, वहै मृदु बतरानि, वहै
लड़कीनी बानि आनि उर मैं अरति है।
वहै गति लैन और बजावनि ललित बैन,
वहै हँसि दैन, हियरा तें न टरति है।
वहै चतुराई सों चिताई चाहिबे की छवि,
वहै छैलताई न हिरक बिसरति है।
आनँदनिधान प्रानप्रीतम सुजानजू की,
सुधि सब भाँतिन सों बेसुधि करति है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए– 2×12=24

(क) 'रामचंद्रिका' के काव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) मुक्तक-काव्य की विशेषताओं के आलोक में बिहारी का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) 'देव रीतिकाल में सबसे अधिक व्यापक अनुभव के कवि हैं', कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

(घ) घनानंद की प्रेमसंवेदना पर विचार कीजिए।